ॐ पूर्णमदः मन्त्र
बृहदारण्यकोपनिषद् से

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥
॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

ॐ। वह पूर्ण है। यह पूर्ण है।
पूर्ण से पूर्ण का उद्भव होता है।
पूर्ण में से पूर्ण ले लेने पर भी पूर्ण ही शेष रहता है।
॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

© एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

बृहदारण्यकोपनिषद् ५.१.१; भाषान्तर : स्वाध्याय सुधा [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१६] पृ ७९ से।